जहन्नम और जहन्नमीयों का बयान

(मिश्कात शरीफ हिन्दी से रिवायत का खुलासा है.)

बिस्मिल्लाहिर्रहमानिर्रहिम

*तिर्मेजी, रावी हज़रत अब्दुल्लाह बिन अब्बास रदी.|

रसूलुल्लाह सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम ने सूरे आले इमरान ३/१०२ की तिलावत फरमायी-

तर्जुमा- तुम अल्लाह तआला (के अज़ाब) से डरो जैसा कि उससे डरने का हक है, और तुम पर जब मौत आये तो तुम मुसलमान ही मरना.

तो आप सल्लल्लाहु अलैहि व सल्लम ने फरमाया-

अगर जहन्नम के थोहर दरख्त (यह बहुत ही कडवा और कांटेदार पेड होंगा) के पानी का एक कतरा भी दुनिया मे गिर पडे तो तमाम ज़मीन वालो की गुज़ारे और खाने-पीने की चीजें खराब हो जाये, तो फिर उस आदमी का क्या हाल होंगा जिसकी खुराक ही यह बहुत ही कडवा और कांटेदार पेड होंगा.

*तिर्मेजी, अबू दाउद, नसाई, रावी हज़रत अबू हुरैरह रदी.|

रसूलुल्लाह ﷺ ने फरमाया-

जब अल्लाह तआला ने जन्नत को पैदा किया तो जिब्राईल (अलै) से फरमाया जावो ज़रा जन्नत को देखो. चुनांचे वो गये, उन्होने जन्नत को और उन चीजो को गौर से देखा जो अल्लाह तआला ने जन्नत वालो के लिये तैयार की है.

फिर जिब्राईल (अलै) वापस आये और बताया ए मेरे रब! आपकी इज्जत की कसम, जन्नत के बारे मे जो आदमी भी सुनेगा वो उसमे दाखिल होने की इच्छा करेंगा. फिर अल्लाह तआला ने जन्नत को शरई पाबन्दियो से ढाप दिया और फरमाया ए जिब्राईल! जावो, जन्नत को दोबारा देखो. चुनांचे वो गये, उन्होने जन्नत का दोबारा जायज़ा लिया फिर वापस आये और बताया ए मेरे रब! आपकी इज़्ज़त की कसम, मुझे शंका और डर है कि जन्नत मे कोई आदमी भी दाखिल न हो सकेंगा.

इसी तरह जब अल्लाह तआला ने दोज़ख को पैदा किया तो अल्लाह तआला ने जिब्राईल (अलै) से फरमाया- जावो, दोज़ख को देखो. चुनांचे वो गये उन्होने दोज़ख को देखा

फिर वापस आये और बताया ए मेरे रब! दोज़ख के बारे मे जो आदमी भी सुनेगा वो उसमे दाखिल होने से घबरायेंगा. चुनांचे अल्लाह तआला ने दोज़ख को इच्छावो और लज़्ज़तो के साथ ढाप दिया. फिर फरमाया ए जिब्राईल! जावो दोज़ख को दोबारा देखो. चुनांचे वो गये, उन्होने दोज़ख को देखा फिर वापस आये और बताया ए मेरे रब! आपकी इज़्ज़त की कसम, मुझे डर है कि उसमे सब ही दाखिल होंगे.

मौलाना मुहम्मद इमरान कासमी बिज्ञानवी.
हिन्दी किताब एक हज़ार मुन्तखब हदीसे मिश्कात शरीफ.